भा. वा. अ. शि. प.- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा "प्रकृति" कार्यक्रम का आयोजन

भा. वा. अ. शि. प.- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा 1 मई 2025 को जवाहर नवोदय विद्यालय, लारी, ताबो, जिला लाहौल एवं स्पीति, हिमाचल प्रदेश में *"प्रकृति"* कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के लगभग 40 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिनके साथ प्रधानाचार्य श्री रतन नेगी एवं अन्य शिक्षण स्टाफ भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्य श्री नेगी के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौती पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कार्यक्रम में आमंत्रित विशेषज्ञ, डॉ. बालकृष्ण तिवारी, वैज्ञानिक-सी, आईसीएफआरई-एचएफआरआई, शिमला का परिचय दिया।

डॉ. तिवारी ने *"* **Climate Change and Mitigation through Forestry Interventions** *"* विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने प्रारंभिक वक्तव्य में उन्होंने आईसीएफआरई-एचएफआरआई, शिमला की भूमिका, उद्देश्य तथा वानिकी एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी।

डॉ. तिवारी ने छात्रों को जलवायु परिवर्तन के कारणों, प्रभावों एवं इसके दीर्घकालिक परिणामों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि जलवायु में परिवर्तन एक प्राकृतिक और धीमी प्रक्रिया है, परंतु वर्तमान में यह प्रक्रिया मानवजनित गतिविधियों और औद्योगीकरण के कारण अत्यंत तीव्र गति से हो रही है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने ग्रीनहाउस गैसों के अत्यधिक उत्सर्जन, वनों की कटाई एवं अस्थिर जीवनशैली जैसी समस्याओं को मुख्य कारण बताया।

उन्होंने जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों जैसे ध्रुवीय बर्फ के तेजी से पिघलने, हिमनदों की सिकुड़न, समुद्र तल में वृद्धि, महासागरों का अम्लीकरण तथा चरम मौसमीय घटनाओं की आवृत्ति में वृद्धि के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

समाधान के रूप में डॉ. तिवारी ने अक्षय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने तथा वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से कार्बन पृथक्करण और पारिस्थितिकी तंत्र की पुनर्स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छात्रों

को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया और वृक्षारोपण जैसे कार्यों के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक सत्र एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

<u>कार्यक्रम की झलकियाँ</u>